दिनांक 5 नवंबर, 2015 को जैप–1 परिसर, डोरंडा में संध्या 3%00 बजे **I.P.S. Officer's Wives Association** द्वारा आयोजित ''दिवाली मेला'' के उद्घाटन कार्यक्रम में माननीया राज्यपाल जी का अभिभाषण:–

मुझे **I.P.S. Officer's Wives Association** (इप्सोवा) द्वारा आयोजित इस ''दिवाली मेला'' में आप सभी के बीच सम्मिलित होकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

मुझे प्रसन्नता है कि जहाँ एक ओर हमारे **I.P.S.** ऑफिसर अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठा व समर्पण के साथ करने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं उनकी पत्नियाँ भी समाज–सेवा का काम करने में जुटी हुई है। आप सभी जानते हैं कि समाजसेवा से दूसरा कोई पुण्य या नेक का कार्य नहीं है। आप अपने परिवार को पूरा समय दें, लेकिन कुछ समय समाज को भी दें। गरीबों, वंचितों की मदद करने के लिए हमेशा कोशिश करते रहें। इससे समाज का भला व कल्याण तो होगा ही, आपको भी अंदरूनी खुशी होगी कि मैंने कोई अच्छा काम किया है।

यह जानकर मुझे प्रसन्नता हो रही है कि इप्सोवा द्वारा आयोजित इस दिवाली मेले से प्राप्त राशि झारखंड पुलिय में कार्यरत कनीय पुलिस अधिकारियों/कर्मियों के मेधावी लड़कियों, विशेष श्रेणी के बच्चों, गंभीर बीमारी से पीड़ित पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवार को सहायतार्थ देने के साथ-साथ शहीद पुलिसकर्मियों के आश्रितों एवं स्कूली बच्चों के कल्याणार्थ व्यय किया जाता है। इस पुनीत कार्य हेतु मैं संस्था के सभी सदस्यों को बधाई देती हूँ।

इससे जहाँ एक ओर जरूरतमंदों की सहायता होगी, वहीं दूसरी ओर शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रतियोगिता व मेधा को भी बढ़ावा मिलेगा। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि झारखंड राज्य में पदस्थापित भारतीय पुलिस सेवा के पदाधिकारियों की पत्नियों का एसोसियेशन राज्य के कनीय पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवार के लिए कल्याणकारी योजनाओं को साकार रुप देने में प्रयत्नशील है।

आज महिलाओं ने अवसर प्राप्त होने पर अपनी प्रतिभा से अपने-आपको प्रत्येक क्षेत्र में बेहतर सिद्ध किया है, चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो या समाजसेवा का या अन्य क्षेत्र हो। इसका जीवंत उदाहरण इप्सोवा और

उसके सदस्य हैं, लेकिन विडम्बना है कि आज भी हमारे समाज में अंधविश्वास, डायन–प्रथा, छुआछूत जैसी सामाजिक कुरीतियाँ व्याप्त हैं, जो अत्यंत निंदनीय है। ऐसी कुप्रथाएं समाज से तभी दूर होगी, जब शिक्षा का व्यापक प्रसार होगा और लोगों में जागरुकता बढ़ेगी। मैं कहना चाहूँगी कि इप्सोवा महिलाओं को शिक्षित करने के साथ–साथ आमलोगों में जागरुकता हेतु भी अपनी अहम भूमिका का निर्वाह करें।

मैं आशा करती हूँ कि आई०पी०एस० ऑफिसर्स वाईव्स एसोसिएशन ऐसी कल्याणकारी योजनाओं को भविष्य में और मूर्त रुप प्रदान करेंगी तथा इस प्रकार के उत्सव का आयोजन प्रत्येक जिले स्तर पर करेंगे, जिससे इसका लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिल सकें। समाचारपत्रों में अक्सर पढ़ने को मिलता है कि झारखंड की बच्चियाँ अर्थाभाव में रोजगार की तलाश में राज्य से बाहर जाती हैं एवं कभी–कभी अत्यंत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। मैं अपेक्षा करूँगी कि इप्सोवा सिर्फ पुलिसकर्मियों के परिवार के कल्याणार्थ तक ही अपने कार्यों को सीमित नहीं रखंगे, बल्कि वे आमजनों में भी अपने कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचायेंगे।

मुझे आशा है कि इस प्रकार के उत्सवों से सामाजिक कार्यों के प्रति लोगों में सक्रियता बढेगी तथा अधिक–से–अधिक लोगों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचेगा। मैं एक बार पुनः आई०पी०एस० ऑफिसर्स एसोसिएशन के सदस्यों के द्वारा कल्याणार्थ कार्यों के लिए ऐसे उत्सवों के आयोजन के लिए बधाई देती हूँ।

अंत में, मैं सभी को दीपावली एवं छठ की शुभकामनाएं देती हूं तथा राज्य की खुशहाली की कामना करती हूँ।

जय हिन्द! जय झारखंड!